Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to address the service-related issues of Central Armed Police Force.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): लगभग 10 लाख जवानों की सशस्त्र सीमा बल (सी.ए.पी.एफ.) भारतीय सेना के समान ही देश की सुरक्षा का एक प्रमुख स्तम्भ है। किंतु पिछले कई वर्षों से इस बल के भीतर कई समस्याएं उत्पन्न हो गई है जिनका शीघ्र निवारण अत्यंत आवश्यक है।

विभिन्न सूत्रों से सूचनाएं आती रहती हैं कि सी.ए.पी.एफ. बल में कई कारणों से असंतोष पाया जा रहा है। इसका प्रमुख कारण पदोन्नति की सीमित संभावनाएं हैं। एक सी.ए.पी.एफ. कांस्टेबल को केवल एक प्रमोशन में 15-20 साल लग जाते हैं। अधिकांश सी.ए.पी.एफ. अफसरों को अपने 35 साल के कार्य काल में केवल एक या दो ही प्रमोशन के अवसर प्राप्त हो पाते हैं। इसके अतिरिक्त, ज्यादातर उच्च पद और प्रमोशन सी.ए.पी.एफ. अफसर के बजाय आई.पी.एस. अफसरों को दिए जाते हैं। सी.ए.पी.एफ. में उच्च नेतृत्व के पद प्राप्त करने वाले अवसर आई.पी.एस. अफसरों को जमीनी अनुभव कम होता है। यह सी.ए.पी.एफ. बलों के मनोबल को गिराता है और उनमें गहरा असंतोष पैदा करता है। इसके फलस्वरुप सी.ए.पी.एफ. बल की संख्या में लगातार गिरावट असंतोष पैदा करता है। इसके फलस्वरुप सी.ए.पी.एफ. बल की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। 2010 और 2013 के बीच लगभग 47000 सी.ए.पी.एफ. अफसरों और जवानों ने इस्तीफे और वी.आर.एस. के माध्यम से सेवा मुक्ति ली।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि सी.ए.पी.एफ. की समस्याओं को तुरंत संज्ञान में ले और इसके लिए उचित कदम उठाये।